उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) | 2019-2020

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | **विषय कोड : यू.जी.एस.टी**

Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम्

कोर्स कोडः यू0जी0एस0टी0 01 | **Course Code : UGST-01**

Course Title : भर्तृहरिकृत् नीतिशतकम् (30 श्लोक पर्यन्त)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों में से किसी दो श्लोक का हिन्दी मे अनुवाद कीजिए – 6

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता–
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।।

(ग) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना –
माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

प्रश्न–2 अधोलिखित में से दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावदर्शनाश्वासि।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।।

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी दो सूक्ति की व्याख्या कीजिए – 6

(क) सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।
(ख) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र
(ग) न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें – 2

i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित iv) विषकम्भक

प्रश्न–6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखिए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

प्रारभ्यते न खलु विध्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विध्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

प्रश्न–8 भर्तृहरि ने विद्या के विषय में क्या कहा है ? 2

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

2019-2020

अधिन्यास (Assignment)

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | **विषय कोड : यू.जी.एस.टी**
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरितम् (तृतीय अंकपर्यन्त) छन्दोऽलंकार मंजूषा | **कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0 02**
Course Title : | **Course Code : UGST-02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 6

क) एतानि तानि गिरिनिर्झरिणीतटेषु
वैखानसाश्रितरूणि तपोवनानि।
येष्वातिथेयपरमा यमिनो भजन्ते,
नीवारमुष्टिपचना गृहिणो गृहाणि ।।

ख) यथेच्छांभोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्.गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसां योग्यमशनं
फलं वा मूल वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6
विश्वंभरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि!पार्थिवानां,
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वयं च।।

प्रश्न–3 निम्नलिखत सूक्तियों की हिन्दी में व्याख्या कीजिए– 2
क) लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।
ख) तीर्थेदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से किसी दो अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए – 2
श्लेष, अनुप्रास, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक

प्रश्न–5	किन्हीं दो छन्दों का लक्षण स्पष्ट कीजिए– आर्या, उपेन्द्रवज्रा, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी।	2
प्रश्न–6	महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व–कर्तृत्व पर प्रकाश डालिये।	2
प्रश्न–7	'एको रसः करुण एवं इस कथन की समीक्षा कीजिए।	2
प्रश्न–8	निम्नलिखित पद्य में छन्द एवं अलंकार बताइए। सम्बन्धिनो वसिष्ठादीनेष तातस्तवार्चति। गौतमश्च शतानन्दो जनकानां पुरोहितः ।।	2
प्रश्न–9	अलंकार का अर्थ स्पष्ट करते हुए अलंकार सम्प्रदाय का विवेचन कीजिए।	2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2019-2020**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : बाणभट्टकृत कादम्बरी कथामुखम् | कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0 03

Course Title : (अगस्त्याश्रमवर्णन पर्यन्त) | **Course Code : UGST-03**

सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण)

लघु सिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा, संधि, स्त्री प्रत्यय)संस्कृत निबन्ध

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 6

यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं
चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु
दृढबन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः,
छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु
रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु
गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण,
–कवचेषु कलड्.काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि
सार्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च
परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भड्.गः, नूपुरेषु
मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि
धूमेनाश्रूपातस्तुरड.गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।

प्रश्न–2 निम्नलिखित उक्ति की व्याख्या कीजिए – 6
'' बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्'

प्रश्न–3 '' अजाद्यतष्टाप्'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित में से संज्ञाओं का विधान करने वाले तीन सूत्रों की व्याख्या कीजिए। 2
क) संहिता ख) अनुनासिक ग) पद घ) इत् ड.) संयोग

प्रश्न–5 अधोलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 2

क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

ख) येनाड्.गविकारः

ग) स्पृहेरीप्सितः

घ) भीत्रार्थानां भयहेतु

प्रश्न–6 निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए : 2

क) कृष्णेकत्वम्

ख) उपैति

ग) होतृकारः

घ) उपोषति

प्रश्न–7 निम्नलिखित में से किसी दो सूत्र की व्याख्या कीजिए – 6

i) हलन्त्यम् ii) आद्गुणः, iii) लोपःशाकल्यस्य

IV) एड्. पदान्तादति V) अनेकाल् शित्सर्वस्य

प्रश्न–8 निम्नलिखित का सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि बताइये – 6

i) सुद्ध्युपास्यः ii) वागीशः iii) हरिश्शेते

प्रश्न–9 निम्नलिखित शीर्षक में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए – 6

i) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

ii) विद्ययाऽमृतमश्नुते

iii) कश्चित् संस्कृतकविः

iv) परोपकाराय सतां विभूतयः

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) | 2019-2020

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : वेद चयनम् , कठोपनिषद् ,अनुवाद | कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0– 04
Course Title : | **Course Code : UGST-04**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए।

क) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। 6
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठदृशाड.गुलम्।।

ख) प्रतद्विषणुः स्तवते वीयणे मृगो न भ्ीमः कुचरो गिरिष्ठाः।
यस्योरूषुं त्रिषु विक्रमंणेधिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा।

ग) आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उदिभदः।
देवा नो यथा सदभिद्वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं एक मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

क) शान्तसंकल्पः सुमना यथा स्याद्वीतमन्युगोतमो माभि मृत्यो
त्वप्रत्सृष्टं माभिवेदैत्प्रतीत एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे।

ख) स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनारित
न तत्र त्वं जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाऽशनाया पिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

ग) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं
वरस्तु में वरणीयः स एव।।

प्रश्न–3 विष्णु सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4	किन्हीं चार पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – शम्बरं, रजन्त्म्, तर्पणीयः, उरुगाय,	2
प्रश्न–5	वेदांग किसे कहते हैं? वेदांगो पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।	2
प्रश्न–6	कठोपनिषद् के महत्त्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।	2
प्रश्न–7	प्रतिशाख्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।	2
प्रश्न–8	किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।	4

क) प्रयाग के चारों ओर वन हैं।
ख) राम पिता के साथ गाँव जाता है।
ग) हमलोग रोज साथ में विद्यालय जाते है और गेंद खेलते हैं।
घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।
ङ.) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए।
च) हिमालय भारतवर्ष के उत्तर की ओर स्थित है।
छ) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं।
ज) हमें प्रतिदिन गुरुजनों को प्रणाम करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2019-2020**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस.टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : काव्य एवं काव्यशास्त्र | कोर्स कोड :यू0जी0एस0टी0 08

Course Title : | **Course Code : UGST-08**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A

खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 आचार्य विश्वनाथ द्वारा उपस्थापित मम्मट के काव्य लक्षण में आए 'अदोषौ' पद की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–2 आचार्य विश्वनाथ के काव्य–प्रयोजन की समीक्षा कीजिए। 6

प्रश्न–3 साहित्य दर्पण के अनुसार आर्थीव्यंजना पर प्रकाश डालिए। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 i. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

प्रश्न–5 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

प्रश्न–6 'उत्कर्षहेतवः प्रोक्ताः गुणालङ्कारारीतयः' की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 2

प्रश्न–7 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'– इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए। 2

प्रश्न–8 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 2

प्रश्न–9 किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के आधार पर गुप्तचर के गुणों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2019-2020**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत विषय कोड : यू.जी.एस.एस.टी

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGSST**

कोर्स शीर्षक : फलित ज्योतिष

कोर्स कोड : यू.जी.एस.एस.टी. 02

Course Title : **Course Code : UGSST-02**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) फलित ज्योतिष का क्या महत्व है। फलादेश के नियमों का उल्लेख कीजिए। 6

(2) जन्माग का क्या महत्व है वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण कीजिए। 6

(3) चन्द्रमा के बलाबल पर विस्तार से चर्चा करें। 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) राशियों की दिशायें क्या हैं? 2

(5) ग्रह कितने होते हैं। 2

(6) किन–किन राशियों के ग्रह उच्च तथा नीचे के होते हैं? 2

(7) मंगल किन –किन भावों में श्रेष्ट है। 2

(8) ग्रहों के आधार पर रोग का कारण क्या है। 2

(9) नवग्रह यन्त्रों के बारे में क्या जानते हो। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) 2019-2020

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत विषय कोड : यू.जी.एस0एस0टी

Subject : Sanskrit **Subject Code : UGST**

कोर्स शीर्षक : वास्तुशास्त्र

कोर्स कोड : यू0जी0एस0एस0टी0 03

Course Title : **Course Code : UGSST-03**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) वास्तुशास्त्र का ज्ञान क्यों आवश्यक है, इसका उद्‌गम क्यों और कैसे हुआ? 6

(2) वास्तुशास्त्र में भूमि परीक्षण की क्यों आवश्यकता है। प्रकाश डालिए। 6

(3) वास्तुशास्त्र के अन्तर्गत भवन में ध्वजा आदि स्थापना का विधान क्यों है? 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) राजभवन के लक्षण क्या हैं? 2

(5) रंगों का शास्त्रीय महत्व क्या है? 2

(6) व्यावसायिक प्रतिष्ठान के निर्माण में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। 2

(7) भवन के देवालय किस दिशा में होना चाहिए। 2

(8) सचल एवं अचल देवप्राण प्रतिष्ठा क्या है? 2

(9) आवासीय भवन में जल का स्रोत किधर होना चाहिए। 2

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) | 2019-2020

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत | विषय कोड : यू.जी.एस0एस0टी

Subject : Sanskrit | **Subject Code : UGSST**

कोर्स शीर्षक : मुहूर्तशास्त्र एवं आयुर्वेद ज्योतिष | कोर्स कोड : यू0जी0एस0एस0टी0 04

Course Title : | **Course Code : UGSST-04**

अधिकतम अंक : 30
MaximumMarks:30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

(1) मुहूर्त क्या है, इसके कितने प्रकार होते है? 6

(2) संस्कार और मुहूर्त का क्या सम्बन्ध है? 6

(3) 'राहुकाल' क्या है । इस काल में शुभ कार्य क्यों वर्णित हैं? 6

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(4) विवाह में 'गुरू अस्त' पर विचार व्यक्त कीजिए। 2

(5) अधिकास एवं क्षय मास क्या है? 2

(6) 'भार्या' कैसी होनी चाहिए । लक्षणों पर प्रकाश डालिए। 2

(7) रोगों के प्रकार पर प्रकाश डालें। 2

(8) वनस्पति एवं ग्रहों का सम्बन्ध क्या है? 2

(9) निम्न में से एक पर टिप्पणी लिखें। 2

(क) वातज रोग

(ख) पित्तज रोग

(ग) कधज रोग

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment)

2019-20

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : संस्कृत साहित्य की रूपरेखा
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST
कोर्स कोड :यू०जी०एस०टी०– 05
Course Code : UGST-05

अधिकतम अंक: 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड 'अ'

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 महाभारत में प्रतिपादित राजनीतिक आदर्शों पर विस्तापूर्वक प्रकाश डालिए।

प्रश्न–2 कालिदास का काल निर्धारण करते हुए उनकी रचनाओं पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 श्री हर्ष की काव्यगत विशेषताओं की विस्तापूर्वक विवेचना कीजिए।

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

प्रश्न–4 हितोपदेश की विषय–वस्तु तथा रचयिता का परिचय दीजिए।

प्रश्न–5 अश्वघोष की कृतियों का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 चम्पूकाव्य के स्वरूप को समझाते हुए नलचम्पू काव्य की विशेषता बताइए।

प्रश्न–7 'भाखेरर्थगौरवम्' इस उक्ति की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न–8 'वेणसिंहार' के रचियता का परिचय दीजिए।

प्रश्न–9 मृच्छकटिक की कथा–वस्तु पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।